कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

मुख्य उपलब्धियाँ एवं कृषि क्षेत्र में शिक्षण व रोजगार के अवसर

राजस्थान में कोटा संभाग कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। दक्षिणी–पूर्वी एवं पूर्वी राजस्थान के वर्षा आधारित एवं नहरी सिंचाई कृषि पारिस्थितिक स्थितियों में चहुमुखी कृषि विकास करने हेतु कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को की गई। यह विश्वविद्यालय कोटा शहर के बोरखेड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग कोटा–बारां पर स्थित है।

कार्यक्षेत्र इस विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र छः जिलों कोटा, बून्दी, बाराँ, झालावाड़, करौली व सवाईमाधोपुर तक विस्तृत है। जिला कोटा, बून्दी, बारां व झालावाड़ राजस्थान जलवायु खण्ड V (आर्द्र दक्षिण–पूर्वी मैदानी क्षेत्र) के अन्तर्गत आते हैं, जबकि सवाईमाधोपुर व करौली जिले राजस्थान जलवायु खण्ड III B (बाढ़ प्रभावित पूर्वी–मैदान क्षेत्र) के अन्तर्गत आते हैं। इन खण्डों का भौगोलिक क्षेत्रफल 34.37 लाख हैक्टेयर है तथा प्रदेश में इसका 9.98 प्रतिशत हिस्सा है।

वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों एवं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा हितधारक–केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ कृषि शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार और प्रशिक्षण में गुणवत्ता, उत्कृष्टता और प्रासंगिकता प्राप्त करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है।

शैक्षणिक कार्यक्रम कृषि विश्वविद्यालय, कोटा कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी में 3 स्नातक उपाधि कार्यक्रम, 5 कृषि, 4 बागवानी और 4 वानिकी विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम तथा 2 कृषि, 2 उद्यानिकी एवं 1 वानिकी विषयों में विद्यावाचस्पति उपाधि प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में 3 संघटक महाविद्यालय (उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ (2004), कृषि महाविद्यालय, कोटा, (2018) और कृषि महाविद्यालय, हिंडोली, बूंदी (2021), 13 संबद्ध महाविद्यालय (9 सरकारी और 4 निजी) हैं। विश्वविद्यालय की कुछ प्रमुख शैक्षणिक उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं :–

- विश्वविद्यालय से 2013–2023 दशक के दौरान कृषि उद्यानिकी एवं वानिकी के कुल 1551 (1317 बी.एससी., 221 एम.एससी.एवं 13 पी.एच.डी.) छात्र उत्तीर्ण हुए।
- विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक 6 दीक्षांत समारोह आयोजित करके कृषि, बागवानी और वानिकी संकाय में शैक्षणिक सत्र 2015–16 से 2021–22 के लिए 1050 स्नातक, 200 स्नातकोत्तर एवं 10 विद्यावाचस्पति छात्रों को उपाधि प्रदान की।
- विश्वविद्यालय के 54 छात्रों ने भा.कृ.अ.प.–राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की तथा 24 एवं 7 छात्रों ने क्रमशः वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता और कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता प्राप्त की।
- 150 से अधिक छात्रों को विभिन्न सरकारी, अर्ध सरकारी, निजी और गैर–सरकारी संगठनों में नौकरी मिली है तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न संघटक महाविद्यालयों के 2553 छात्रों को विभिन्न संगठनों से छात्रवृत्तियाँ प्राप्त हुई हैं।
- विश्वविद्यालय की सभी संघटक महाविद्यालयों में माननीय कुलपति डॉ. अभय कुमार व्यास ने नवीन कार्यक्रम "कुलपति–विद्यार्थी–संवाद" शुरू किया, जिसमें कुल 13 संवाद आयोजित कर 580 से अधिक स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति छात्रों के साथ आत्म–नियंत्रण, आत्म प्रेरणा, आत्म विश्वास, आत्म प्रबंधन, समय प्रबंधन और जीवन के लक्ष्य को सफलता पूर्वक हासिल करने जैसे विभिन्न पहलुओं पर संवाद किया।

अनुसंधान कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की संघटक इकाइयों के रूप में उम्मेदगंज, कोटा में एक कृषि अनुसंधान केन्द्र, एक यांत्रिक कृषि फार्म, खानपुर और अकलेरा में कृषि अनुसंधान उप केन्द्र स्थापित हैं। अनुसंधान का अधिदेश कृषि–जलवायु क्षेत्र-V और III-b में फसल उत्पादकता, लाभप्रदता और कृषि उत्पादन की स्थिरता को बढ़ाने के लिए बुनियादी और व्यवहारिक अनुसंधान करना है। विश्वविद्यालय में 14 अखिल भारतीय कृषि अनुसंधान परियोजना, 5 स्वैच्छिक केन्द्र, 5 सीड हब, 9 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, 1 एकीकृत बागवानी विकास मिशन, 1 ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के साथ–साथ राज्य गैर योजनाएं और राज्य सरकार / निजी कंपनियों द्वारा वित्त पोषित कई तदर्थ अनुसंधान परियोजनाएं और अन्य संस्थानों के साथ सहयोगी परियोजनाएं संचालित हैं। विश्वविद्यालय की कुछ प्रमुख शोध उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं :–

- विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की 31 किस्में विकसित की गईं।
- 41 किस्मों एवं 240 उत्पादन प्रौद्योगिकियों का परीक्षण किया गया और कृषि–जलवायु क्षेत्र-V और III-बी के लिए पैकेज ऑफ प्रेक्टिस (POP) में शामिल किया गया।
- विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों के 50,000 क्विंटल प्रजनक बीज का उत्पादन कर इसे आगे गुणन के लिए बीज उत्पादक एजेंसियों को उपलब्ध कराया गया तथा 50,000 क्विंटल से अधिक गुणवत्ता वाले बीज का उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराया गया।
- विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा 13.57 तक रेटिंग के कुल 611 शोध पत्र विभिन्न जर्नल्स एवं प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

प्रसार शिक्षा प्रसार शिक्षा, विश्वविद्यालय के तीन प्रमुख कार्यों में से एक है। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रसार शिक्षा निदेशालय की कार्यात्मक शाखाएँ हैं। कृषि की उत्पादकता, लाभप्रदता और स्थिरता में वृद्धि के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण से विश्वविद्यालय के अंतर्गत छह कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय की कुछ प्रमुख प्रसार उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं :–

- एक लाख से अधिक किसानों, कृषक महिलाओं और अन्य हितधारकों के लिए 3000 क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- विश्वविद्यालय ने 3500 भागीदारों के लिए खाद्य प्रसंस्करण पर विशेष कौशल विकास प्रशिक्षणों का आयोजन किया, जिनमें से 700 से अधिक ने अपना उद्यम शुरू किया जो 2.0 से 25.0 लाख रूपये प्रतिवर्ष की आय प्राप्त कर रहे हैं।
- 12,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में विभिन्न कृषि और बागवानी फसलों की नवीनतम उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर किसानों के खेतों में तकनीकी मूल्यांकन और इसके अनुप्रयोग के प्रदर्शन के लिए 25000 प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किये गये जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण आर्थिकी के साथ 12 से 45 प्रतिशत तक फसलों की उपज में वृद्धि हुई है।

कृषि विज्ञान में निहित विज्ञान कृषि विज्ञान की बृहदता और विस्तार का इस बात से पता चलता है कि इसमें बहुत से विज्ञान, कृषि शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार और व्यवसाय से अभिन्न रूप से जुडें हैं जैसे जीव विज्ञान, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, कीट विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, आनुवांशिकी विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी, जैव रसायन, मौसम विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृषि अभियांत्रिकी, वानिकी, वातावरण विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दुग्ध विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अर्थशास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान, रिमोर्ट सेंसिंग, गणित, सांख्यिकी, पशु विज्ञान, वेटेनरी, मत्स्य विज्ञान, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डाटा एनालिटिक्स, आर्टीफिसियल इंटेलिजेन्स, डिजीटलीकरण इत्यादि।

कृषि में रोजगार हेतु कुछ सम्भावित अवसर

वैज्ञानिक संगठनों : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, सेन्टर फॉर सेल्यूलर एण्ड मोल्यूक्यूलर बॉयलॉजी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर सेमी–एरिड ट्रॉपिक्स, अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, दक्षिण एशिया क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक एवं तकनीकी सेवाएँ।

शिक्षण (सार्वजनिक / निजी) : विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक सेवाऐं

डवलपमेंट विभाग : केन्द्रीय/राज्य सरकार में कृषि, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, बीज उत्पादन एवं प्रसंस्करण, मृदा संरक्षण एवं परीक्षण, उर्वरक, सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स में सहायक कृषि अधिकारी, कृषि अनुसंधान अधिकारी, कृषि अधिकारी

वन विभाग : भारतीय वन सेवा, राजस्थान वन सेवा, वनपाल

प्रशासनिक सेवाएँ : भारतीय सिविल सेवा, राजस्थान सिविल सेवा, केन्द्रीय/राज्य अधीनस्थ सेवाएँ

बैंकिंग (सार्वजनिक/निजी) : परिवीक्षाधीन अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, सहायक प्रबंधक

बीमा : फील्ड अधिकारी, विकास अधिकारी

उर्वरक, कीटनाशक, बीज उद्योग : वैज्ञानिक अधिकारी, विपणन कार्यकारी

उद्यमिता/स्टार्टअप : उत्पाद, सेवा, आपूर्ति श्रृंखला

करीब 135 कृषि क्षेत्रों में आप अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं। अतः अगर आप नौकरी मांगने की बजाय नौकरी देने की सोच रखते हैं तो वह अपना खुद का व्यवसाय/उद्यम/स्टार्ट–अप शुरु कर सकते हैं जैसे:– नर्सरी, टिश्यू कल्चर, कृषि उत्पाद एवं निर्यात, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, डेयरी एवं डेयरी प्रसंस्करण, मछली पालन, मृदा परीक्षण लेब, कृषि उपकरण निर्माता, मधुमक्खी पालन एवं शहद प्रसंस्करण, वर्मीकम्पोस्ट, जैविक उत्पाद एवं विपणन, मशरूम उत्पादन आदि।

ऐसे लें कृषि स्नातक में प्रवेश कृषि विज्ञान विषय में स्नातक करने हेतु कक्षा 12वीं विज्ञान विषय (कृषि विज्ञान, जीव विज्ञान या गणित विषय) में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। उसके बाद अखिल भारतीय स्तर/राज्य स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से योग्यता एवं मेरिट अनुसार विभिन्न महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है। इस हेतु निम्न प्रवेश परीक्षायें आयोजित की जाती हैं :–

1. राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा देशभर की कृषि विश्वविद्यालयों में कृषि और संबद्ध विज्ञान में स्नातक डिग्री कार्यक्रमों की 15 प्रतिशत सीटों के लिए अखिल भारतीय स्तर पर कॉमन यूनिवर्सिटीज स्नातक (CUET-UG) प्रवेश परीक्षा। जो छात्र एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज के यूजी कोर्सेज में प्रवेश लेना चाहते हैं, वे ऑफिशियल वेबसाइट cuet.samarth.ac.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
2. राजस्थान राज्य की कृषि विश्वविद्यालयों/कृषि महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए राज्य स्तर पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JET)

कृषि, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित व भौतिकी के विभिन्न संयोजन जैसे ABC, PCM, PCB, PCMB, PCA etc. बी. टेक (डेयरी टेक्नोलोजी) एवं बी. टेक (फूड टेक्नोलोजी) मे प्रवेश लेने हेतु रसायन विज्ञान, गणित व भौतिकी में 12 वीं कक्षा पास होना आवश्यक है। कला व वाणिज्य विषय से 12 वीं पास करने वाले अभ्यर्थी संयुक्त प्रवेश परीक्षा मे बैठने के लिए योग्य नहीं हैं।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए पांच विषय कृषि, जीवविज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित व भौतिकी में से कोई भी तीन विषयों का चुनाव कर सकता है परन्तु बी टेक डेयरी/फूड टेक्नोलोजी में प्रवेश लेने अभ्यर्थी को संयुक्त प्रवेश परीक्षा में भी रसायन विज्ञान, गणित व भौतिकी के पेपर ही करने आवश्यक हैं।
हमारे देश में वर्तमान में कृषि एवं कृषि सम्बंधित 12 स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम (बी.एससी. (कृषि), बी.एससी. (उद्यान), बी.एससी. (वानिकी), बी.एससी. (मत्स्य), बी. एससी. (सेरीकल्चर), बी.एससी. (एफ.एन.डी.), बी.एससी.(सामुदायिक विज्ञान), बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी), बी.टेक. (खाद्य), बी.टेक. (डेयरी) एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन (एबीएम) में उपलब्ध है जो कि हेंड–ऑन–लर्निंग एवं ट्रेनिंग अनुभव आधारित हैं। ये कृषि पाठ्यक्रम बहु–विषयक आधारित व्यापक दायरे को कवर करते हैं। इन कृषि पाठयकर्मो को व्यवसायिक डिग्री की मान्यता प्राप्त है।

इसके अलावा 12वीं के बाद छात्र–छात्रायें सर्टिफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं जैसे जैविक खेती, संरक्षित खेती, सीड टेक्नोलॉजी, खाद्य प्रसंस्करण, पुष्पोत्पादन, गार्डनर, जैव–उर्वरक उत्पादक, इनपुट डीलर, मधुमक्खी पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, मशरूम उत्पादक, वर्मीकम्पोस्ट उत्पादक आदि। अतः कृषि एवं कृषि सम्बंधित डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए हमारे देश में करीब 75 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों/केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों की करीब 410 सरकारी कृषि महाविद्यालयों तथा 40 से अधिक प्राइवेट विश्वविद्यालयों की इतनी ही 410 से अधिक कृषि महाविद्यालय उपलब्ध है। इन सभी में अगर फीस की बात करें तो सरकारी महाविद्यालयों में करीब 10–15 हजार प्रति सेमस्टर तथा प्राइवेट कॉलेजों में 20–25 हजार प्रति सेमेस्टर होती है।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :

निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा–324001 (राजस्थान)

Ph. 0744-2340048 E-mail : dpme@aukota.org, Website : http://aukota.org

प्रकाशन : मार्च, 2024 डी.पी.एम.ई.,ए.यू., कोटा द्वारा प्रकाशित संख्या : 2500